695

HD-01

December - Examination 2017

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी पद्य भाग– I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper - HD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने 'आदिकाल' को किस नाम से सुशोभित किया?

(ii) 'खुमाण रासो' ग्रन्थ के रचनाकार का क्या नाम है?

(iii) कबीरदास ने 'माया' का रूप कैसा माना है? लिखिए।

(iv) 'पद्मावत' की रचना किस ने की है?

(v) नवधा भक्ति में 'स्मरण' किसे कहते हैं?

(vi) अनुप्रास अलंकार की सोदाहरण परिभाषा लिखिए।

(vii) किन्हीं दो मात्रिक छंदों के नाम लिखिए।

(viii) स्थायी भाव किसे कहते हैं?

(ix) करुण रस की परिभाषा लिखिए।

(x) ओज गुण और प्रसाद गुण में विद्यमान अन्तर को स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – ब) **$4 \times 10 = 40$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

2) 'पृथ्वीराज रासो' ग्रन्थ में प्रकृति चित्रण और चरित्र चित्रण पर प्रकाश डालिए।

3) निर्गुण भक्ति काव्य धारा में संत काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) ''तूँ तूँ करता तूँ भया, मुझ मैं रही न हूँ।
बारी फेरी बलि गई। जित देखौं तित तूँ।!''

(ख) माटी कहे कुमार सूँ, तू क्या रौंदे मोहि।
एक दिन ऐसा आयेगा, मैं रौदूँगी तोहि!।''

5) 'पद्मावत' महाकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

6) तुलसीदास जी की भक्तिभावना का वर्णन कीजिए।

7) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

''को भरिये हरि के रितये,
रितवै पुनि को हरि जौ भरिहैं।
उथपै तेहि को जेहि राम थपै,
थपिहे तेहि को हरि जौ टरिहैं।।
'तुलसी' यह जानि हिये अपने,
सपने नहिं कालहु तें डरि हैं।
कुमया कछु हानि न औरन की,
जो पै जानकी नाथ मया करि हैं।

8) निम्न पद्यांश की सप्रंग व्याख्या कीजिए।

''मैया मोरी, मैं नहीं माखन खायो।
ख्याल परैं ये सखा सबै मिलि,
मेरे मुख लपटायौ।।
देखि तु हि सींके पर भाजन,
ऊँचे धरि लटकायौ।
हौं जु कहत नान्हें कर अपने।
छींका केहि विधि पायौ।।
मुख दधि पाँछि, बुद्धि इक कीन्हीं
दोना पीठि दुरायौ।
डारि, साँटि, मुसुकाय जसोदा।
स्मामहिं कंठ लगायौ।।

9) रसखान के काव्य में प्रकृति प्रेम का उल्लेख कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) ''रहीम के काव्य में भक्ति, नीति और श्रृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है।'' इस कथन का विवेचन कीजिए।

11) भक्तिकाल के सगुणभक्तिकाव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

12) मीराबाई का जीवन वृत्त बताते हुए उनकी भक्ति साधना पर एक लेख लिखिए।

13) टिप्पणी कीजिए। (प्रत्येक 5 अंक)

(क) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

(ख) रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य धारा में अन्तर।

(ग) बिहारी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

(घ) घनानन्द के काव्य में विरह व्यंजना।